PETITION *RE.* DEMANDS OF STUDENTS

श्री विजय कुमार मलहोत्रा (दक्षिण दिल्ली) : मैं छात्रों की मांगों के बारे में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के प्रधान तथा अन्य व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षरित एक याचिका प्रस्तुत करता हूं ।

MR. SPEAKER: The House stands adjourned till 2 P.M.

12.02 hrs.

The Lok Sabha adjourned for Lunch till Fourteen of the Clock.

The Lok Sabha reassembled after Lunch at five minutes past Fourteen of the Clock.

(MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*)

MATTERS UNDER RULE 377

(i) REPORTED LOW AND UNREMUNERATIVE PRICES OF JAGGERY

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Ramoowalia. He is not here. Mr. Rajagopal Naidu.

SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU (Chittoor): Mr. Deputy-Speaker, Sir, jaggery prices went down very low. Last year itself we had represented about this to the Government. But only 5,000 tonnes were purchased at market prices in the North.

55 per cent of the cane produced in our country is going to jaggery production. The prices are very low and unremunerative. The Government has to fix up the support price for jaggery and purchase the surpluses.

I learn that there is a proposal to purchase jaggery from Maharashtra. It is a good thing. But Andhra Pradesh also is an important State producing jaggery. There are very big jaggery markets in Vizag and Chittoor districts. Therefore, the Government should purchase jaggery from these areas also.

(ii) REPORTED NON-ALLOCATION OF WHEAT AND RICE TO BIHAR FOR "FOOD FOR WORK" SCHEME

श्री लखनलाल कपूर (पूर्णिया) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से नियम 377 के अधीन अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्नलिखित विषय की ओर भारत सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं :—

कि "काम के बदले भोजन" योजना में पिछले तीन चार महीनों से बिहार में गेहूं और चावल का आवंटन नही हुआ है जिससे चारों ओर हाहाकार मचा हुआ है । इस समय खेत मजदूरों के पास कोई काम नही । उनके सामने भूखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इनकी संख्या एक करोड़ से अधिक है ।

इसके अतिरिक्त गेहू के अभाव में हजारों योजनाएं अधूरी पड़ी हुई हैं । यदि ये योजनाएं वर्षारम्भ के पूर्व पूरी नही की गई तो सारी अधूरी योजनाएं वर्षा में विलीन हो जायेगी ।

अतः खेत मजदूरो तथा अन्य लोगो को काम देने, भुखमरी को दूर करने और अधूरी योजनाओ को नष्ट होने से बचाने के लिए बिहार सरकार की ओर से की गई माग के अनुसार अन्न की शीघ्र आपूर्ति की जाये ।

(iii) REPORTED BUS ACCIDENT IN NEPAL ON 27-2-79

श्री राज नारायण (राय बरेली) : उपाध्यक्ष महोदय, लोकसभा प्रक्रिया कार्य संचालन नियमों के नियम 377 के अधीन मैं निम्न तात्कालिक विषय को उठाने की सूचना देता हूं ।

"एक बालक को छोड़कर काठमाण्डू गई बस के सभी यात्री मृत" वाराणसी से 26 फरवरी को रात को काठमांडू गई बस नम्बर यू० टी० टी० 7214 के सुनौली से 45 किलोमीटर आगे नेपाल की पहाड़ियों में दुर्घटनाग्रस्त होने की पुष्टि आज 5 मार्च वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री कन्हैया लाल गुप्त ने कर दी । उन्हें यह जानकारी गोरखपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने वायरलैस द्वारा आज दी । पुलिस के अनुसार इस दुर्घटना में 11 वर्षीय एक बालक को छोड़कर सभी व्यक्ति मारे गये । बस में 55 व्यक्ति थे और यह घटना 27 फरवरी को हुई । मृतक व्यक्तियों की लाशें उनके घर वालो को नहीं मिल पा रही है, जबकि मृतक लोगों की पहचान भी हो गई है । नेपाल स्थित भारतीय दूतावास इस मामले में पूरी तरह उदासीन है और इस भीषण दुर्घटना में उसने अपना कार्य, जो उसे करना चाहिए, बिल्कुल नहीं किया । इस सम्बन्ध में प्रधान मंत्री जी और गृह मंत्री जी को भी मैंने जानकारी करा दी है ।

यह पत्र तो मैंने आपको 6 तारीख को दिया था । आज सुबह मुझे प्रधान मंत्री जी ने बताया है कि इस खबर की पुष्टि नहीं हुई है। उनका कहना है कि शायद यह दुर्घटना हुई ही नही, और ऐसी जानकारी नेपाल के दूतावास से मिली है । श्री वाजपेयी ने भी कल रात को कुछ इसी तरह की बात कही थी । मैंने वाराणसी के कलक्टर और पुलिस कप्तान से लगातार टेलीफोन से सम्बन्ध स्थापित करने की कोशिश की, मगर वे दोनों मुझे नहीं मिल पाये ।